

नदी जोड़ो योजना : पेयजल, सिंचाई और उद्योगों को मिलेगा भरपूर पानी

महानदी तांदुला लिंक परियोजना बजट में शामिल, 2.45 लाख एकड़ में सिंचाई

हरिभूमि न्यूज ►► दुर्ग

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के डीमा प्रोजेक्ट नदी जोड़ो योजना के तहत महानदी तांदुला लिंग परियोजना को राज्य की भाजपा सरकार ने बजट में शामिल कर लिया है। करीब 880 करोड़ वाले इस प्रोजेक्ट को लेकर ऐसी उम्मीद है कि, राज्य शासन द्वारा जल्द ही संस्थान जारी भी कर दिया जासगा। इस बड़े प्रोजेक्ट के मूर्तिरूप लेने पर पेयजल सिंचाई और उद्योगों को भरपूर पानी मिलेगा।

अविभाजित दुगु जिले के नगरीय निकायों से लेकर गांवों के बढ़ते आबादी की प्यास बुझाने के लिए 880 करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की गई है। जिसका नाम है महानदी-तांदुला लिंक परियोजना। इस योजना के तहत बारिश के सीजन महानदी से व्यर्थ बहने वाले पानी जल को तांदुला जलाशय में सहेजना है। जहां से नहरो के माध्यम से सिंचाई, पेयजल, निस्सारी के लिए देना है। इस परियोजना से करीब 2.45 लाख एकड़ खेतों की सिंचाई की जा सकेगी। 900 से ज्यादा तालाबों को भरा जा सकेगा। बालोद, दुगु, भिलाई, रिसाली, भिलाई 3 चरोदा, इन सभी नगरीय निकायों की बढ़ती आबादी को पानी के पीने की किल्लत नहीं होगी। जल जीवन मिशन के तहत गांव-गांव में लगाए जा रहे नलों में भी पर्याप्त पानी सप्लाई किया जा सकेगा। सिर्फ इतना ही प्रदेश का सबसे बड़ा उद्योग भिलाई इस्पात संयंत्र और एनएचपीएल जैसे अन्य उद्योगों में लगातार बढ़ती जा रही पानी की डिमांड की भी पूर्ति हो सकेगा। इसके लिए जल संसाधन संभाग बालोद, शिवनाथ मंडल दुगु और महानदी गोदावरी कडल जल संसाधन विभाग रायपुर ने तांदुला जलाशय जल संवर्धन योजना (महानदी-तांदुला लिंक परियोजना) बनाई गई है।

हर साल 2 लाख व्यूसेक वर्षा जल व्यर्थ बह जाता है

- बालोद, दुर्ग, भिलाई, रिसाली, भिलाई 3 चरोदा, नगर निगमों सहित 900 तालाबों को निस्तारी के लिए पानी, ■ बीएसपी, एनएचपीसीएल सहित अन्य उद्योगों को भी मिल सकेगा भरपूर पानी



1906 में बना था तांदुला जलाशय

तांदूला जलाशय परियोजना वर्ष 1906 में बनकर तैयार हुआ। वर्ष 1912 तक इसकी समीप रहने पणाली का निर्माण पूरा किया गया। जलाशय की सिंचाई क्षमता 68219 हेक्टेयर थी, जिसे सिंचने में समक्ष था और उस समय बारिश की ज्यादा हो जाती थी। वर्तमान में जलाशय से 103705 हेक्टेयर भूमि अनुबाधित है। सिंचित क्षेत्र के 900 गांवों को गर्मी में भरा जाता है। राधा ही बालोद निगम और जस्कर पड़ने पर मिलाई इस्पात संयंत्र को भी पानी दिया जाता है।

**एनीकट और
इन्टेकवेल बनाएंगे**

रविशंकर सागर परियोजना
महानदी पर पन बना है। जिसकी जल
भरणा क्षमता 35 हजार कि.मी. फुट
है। महानदी के जल वहन क्षेत्र में
अधिक फल होती है। इस कारण
हर साल करीब 2 लाख व्यूसेक
जल के लिए बह जाता है। इसे
सहेजने के विधि महानदी में
चारामा के पास एनीकट और
इनटैक पैल बनाएंगे। जहां 1800
एच.पी. के 12 नग.वी.टी. पम्प
लगाकर 3000 एच.एम. व्यास के
15.50 कि.मी. लम्बी पाइप लाइन
सिधायी जायेगा। इससे तांदुल
महानदी में हर 800 व्यूसेक
जलशय का पानी छड़ेगे।

भेजा गया था प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता व भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को महत्त्वपूर्ण योजनाओं में से नदी जोजो योजना थी। इसी के तहत पूर्व जल संचयन मंत्री श्री ए.व.स. हेमदत्त यादव ने आज के कार्यकाल में नगरीय तान्द्रुलिका योजना का प्रवेश किया था। कुछ कारणों से यह योजना आज की धीली बंद पुआ। वर्तमान में प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद दुर्ग संसद विजय बहाल के विशेष प्रयास के बाद इस योजना को पुनः शुरू करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए विभागीय बजट एवं २०२४-२५ में इस योजना को शामिल करने प्रस्ताव भेजा गया था, जिसकी बजट में स्वीकृति मिला भी गई है।

**सभी को
मिलेगा
लाभ**

अविभाजित दुर्ग जिले के किसान भाइयों को लाम पहुंचाने, उनके खेतों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 880 करोड़ का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इससे महानदी के पानी को तांतुल जलाशय में लाया जायेगा। यहां से खेतों को सिंचाई के लिए, गांवों निस्तारी के लिए, उद्योग और सामान्य नागरिकों और गांवों को पीने के लिए भरपूर पानी दिया जा सकेगा। **विजय ब्वेल**, सांसद दुर्ग

बजट में प्रावधान

हाल ही में इस प्रोजेक्ट को लेकर राज्य शासन द्वारा बजट में प्रावधान किया गया है। सेवशन मिलने के बाद जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा।
आरके पांडे, जल संसाधन विभाग, दुर्ग

प्राथमिक स्कूल में विधायक ने बच्चों के साथ किया न्यौता भोजन

दुर्गा। शनिचरी बाजार स्थित प्राथमिक स्कूल के न्योता भोजन कार्यक्रम में पहुंचे विधायक गजेंद्र यादव ने बच्चों संग भोजन किया। उन्होंने पौष्टीक खान पान, स्वच्छता और पढ़ाई के बारे बच्चों को प्रोत्साहित किए। इसके पूर्व

विधायक श्री यादव ने स्कूल के बच्चों को भोजन परोसे। न्योता कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। प्रधानमंत्री पोषण अभियान के अंतर्गत सरदार वल्लभ भाई पटेल शा. प्राथमिक स्कूल में न्योता भोजन कार्यक्रम में

विधायक गजेंद्र यादव शामिल हुए और उन्होंने बच्चों को छत्तीसगढ़ में न्योता के बारे में बताया। कार्यक्रम में प्राचार्य नितिन अग्रवाल, नीलिमा श्रीवास्तव, सुषमा साहू, रविंद्र विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।



अहिंसा के लोकप्रिय विधायक माननीय राजमहंत

डोमनलाल कोर्सेवाड़ा जी

**को जन्मदिन की हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं..**



AUGUST

12

लिमन साहू

મંડલ અધ્યક્ષ અહિવારા

आवास ऋण घोटाले में घिरेगा बैंक बोर्ड की बैठक में हो सकती है कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ►► दुर्ग

भले ही बेमेतरा जिले के नवागढ़
ब्रांच में आवास ऋण घोटाले के
मामले में वहाँ के कलेक्टर ने
एफआईआर दर्ज कराया है। लेकिन

- नवागढ़ शाखा की तरह अन्य शाखा में भी करोड़ों का घोटाला



बैंक में चलता रहा लम्बे समय से खेल

जिला सहकारी केंद्रीय बैक में पिछले लंबे समय से आवास ऋण घोटाले का मामला चलता रहा। हालांकि जिला सहकारी केंद्रीय बैक द्वारा हीन बनावकर जांच भी करवाया गया। जांच में लाखों रुपए के गड़बड़ी होने की पुष्टि हुई और देशियों के नाम भी सामने आये। लेकिन बैक में ही आर्थिक अनियमितता मामले में कानूनी कार्यवाही करने के बजाय ऐसे मामलों को दबा दिया गया। लाखों के घोटाले सामने आने के बाद खेतरा कलेक्टर ने रुचि दिखाई और उन्होंने एफआईआर दर्ज करवाया। लेकिन दूसरी तरफ दर कलेक्टर ने इसी तरह के मामले में कोई कार्यवाही नहीं की है।

एफआईआर दर्ज कराया है। ठीक इसी तरह का मामला दुर्ग जिले के मुसुंदा और बेमतरा का देवकर शाखा में आवास ऋण के आठ में 19 लाख का घोटाला किया गया। इसके अलावा दुर्ग जिले के ही नागपुर शाखा में सबसे बड़ा घोटाला षाई करोड़ रुपए का किया गया है, लेकिन इसके बाद भी दुर्ग कलेक्टर द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि, कलेक्टर द्वारा कार्रवाई करने की

तेयारी है, लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते आरोपियों पर पर्दा डालने में भरपूर कोशिश भी की जा रही है। पिछला सहकारी केंद्रीय बैंक में जिला लंबे समय से आवास क्रय घोटाले में जमकर बंदरबांट करण जा रहा है, अगर जिम्मेदारों को अशुभकारियों द्वारा इस मामले में अब तक बैंक द्वारा बांटे गए आवास ऋण मामले की जांच कराया जाए तो बड़े ऋण घोटाले के मामले का खुलासा होगा।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम: निकाली जागरूकता रैली

दुर्गा। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत दीनदयाल अन्वेषण योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम एवं निगम के स्वच्छता दीदी द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में तिरंगा रोलौटाहियायियों को प्रेरणादायक करने एवं सहायता समूह की महिलाओं ने रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हेतु सामुदायिक संगठक श्रीमती निशा वर्मा द्वारा वार्ड क्रमांक 35 की स्व. सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। श्रीमती अनु कसरा सामुदायिक संगठक द्वारा वार्ड क्रमांक 15 और 17 में समूह की



महिलाओं के माध्यम से रैली का आयोजन किया गया। श्रीमती सुरेखा खुटेल् द्वारा वार्ड क्रमांक 31 और 33 में, संतोष कसार द्वारा वार्ड क्रमांक 4 में, श्रीमती अंजूलता देशमुख द्वारा वार्ड क्रमांक 53 तथा 54 में श्रीमती लक्ष्मी ठाकर द्वारा, वार्ड क्रमांक 28

श्रीमती सुनंदा फुलझेले द्वारा, वार्ड क्रमांक 47 में, वार्ड क्रमांक 59, 60 में श्रीमती बिंदेश्वरी देशमुख द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। तिरंगा रैली कार्यक्रम में स्व सहायता समूह की महिलाओं में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया गया।



चक्करघिन्नी सा फैशन

लाइव इवेंट

दुर्लभ वाद्य यंत्रों के साथ रिखी आज देंगे प्रस्तुति

भिलाई। प्रख्यात लोक वाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय 12 अगस्त को राजधानी रायपुर में एक अनूठी प्रस्तुति देने जा रहे हैं। 13 अगस्त को रिखी क्षत्रिय राजधानी रायपुर में प्रख्यात गायक कैलाश खेर के साथ मंच साझा करेंगे। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव सहित देशभर से वन विभाग के आला अधिकारियों की मौजूदगी में विश्व हाथी दिवस का आयोजन 12 अगस्त सोमवार को राजधानी रायपुर में किया गया है। इसमें कुहुकी लोककला मंच के संयोजक व लोक वाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया है। रिखी क्षत्रिय अपने 36 कलाकारों के साथ छत्तीसगढ़ के परंपरागत तीज त्योहारों पर रंगारंग प्रस्तुति देंगे। वे अपने दुर्लभ वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन भी करेंगे। इसमें जंगली-जानवरों को भगाने वाले पुराने वाद्य यंत्र शामिल हैं। 13 अगस्त को इंडोर स्टेडियम रायपुर में तिरंगा यात्रा पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में गायक कैलाश खेर परफार्मेंस देंगे।



नरेंद्राचार्य 14 को रायपुर में, भिलाई के भक्त भी दीक्षा लेने जाएंगे

भिलाई। जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी नरेंद्राचार्य 14 अगस्त को एक दिवसीय प्रवचन में शामिल होने रायपुर आ रहे हैं। निरंजन धर्मशाला वीआईपी रोड में आयोजित इस प्रवचन के दौरान दीक्षा समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें दुर्गा-भिलाई के उनके भक्त भी शामिल होंगे। जगद्गुरु नरेंद्राचार्य श्री दक्षिण पीठ-नाणीजधाम महाराष्ट्र के पीठाधिकार हैं। उनके अनुयायियों ने बताया कि जगद्गुरु ने अपने प्रवचनों के माध्यम से बंधुभाव, प्रेम समन्वय, संस्कृति का जतन और वैदिक संस्कार देते हुए भारत वर्ष के कोने कोने तक अपने विचारों से जनजागरण किया है।



सिटी इवेंट

अंडर-14 टीम के लिए ट्रायल, 74 में 30 खिलाड़ियों का चयन



भिलाई। बीसीए द्वारा कल्याण कॉलेज ग्राउंड में आयोजित अंडर 14 चयन स्पर्धा के अंतर्गत रविवार को 74 खिलाड़ियों ने पसीना बहाया। इसमें से 30 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इनके नामों को घोषणा 12 अगस्त को की जाएगी। इन चयनित 30 खिलाड़ियों का सितंबर माह में कोचिंग कैंप लगाया जाएगा। इसके बाद टीम बनाकर टीमों के मध्य मैच कराए जाएंगे। अंतिम 20 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा, जो अंडर 14 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में बीसीए का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयन स्पर्धा के ऑब्जरवर भावेश चंद्रणा एवं चयनकर्ता सुनील त्रिवेदी, एन अभिलाष जावेद अख्तर थे। कोऑर्डिनेटर प्रशांत भारद्वाज थे। यह जानकारी बीसीए के सचिव भास्कर गोस्वामी ने दी।

दीप्ति राठौर को पीएचडी की उपाधि



दुर्ग। डॉ. दीप्ति सिंह राठौर को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल रेमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्हें विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. दीप्ति सिंह राठौर बिलासपुर निवासी हैं। आयोजित कार्यक्रम में कुलपति डॉ. अरुण पलटा सहित अन्य मौजूद थे। उनके शोध का विषय विद्यार्थियों की शैक्षिक शिथिलता पर अभिभावक शैली एवं शालेय वातावरण के प्रभाव का अध्ययन था। बाह्य परीक्षक डॉ. सारिका शर्मा प्राध्यापक जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा मौखिक परीक्षा ली गई। इसके बाद दीक्षांत समारोह में उपाधि प्रदान की गई। शोध कार्य पूर्ण करने हेतु शोध निर्देशक डॉ अनिर्बान चौधरी का मार्गदर्शन रहा। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने अपने पिता दिलीप सिंह राठौर, माता छाया राठौर, बहन नम्रता बैस, अमर सिंह का आभार व्यक्त किया है।

● भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश, इसलिए यह जरूरी

मिशन लाइफ : पीपल 100 प्रतिशत, नीम और बरगत 80 प्रतिशत तक Co2 अवशोषित करता है, इसलिए लगाना ज्यादा फायदेमंद

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) उत्सर्जकों में से एक है। साल 2022 में भारत ने 2,830 मिलियन मीट्रिक टन CO2 उत्सर्जित किया था। हालांकि, प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन के मामले में भारत वैश्विक औसत से आधे से भी कम है। साल 2022 में भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन करीब 2 टन था, जबकि वैश्विक औसत 4.7 टन रहा। इसके बाद से कार्बन के उत्सर्जन को कम करने के लिए भारत में अभियान चलाया जा रहा है। निकायों और बड़े शहरों के लिए कार्बन क्रेडिट स्कीम शुरू की जा रही है। इंदौर जैसे शहरों में इसकी शुरुआत हो चुकी है। भिलाई, रायपुर जैसे शहरों में इसे लेकर कार्ययोजना भी बन रही है। सुझाव मंगाए गए हैं। इन सबके एक नई बात निकलकर सामने आई है कि बरगत, पीपल, नीम ऐसे पेड़ हैं, जो शतप्रतिशत कार्बनडाइऑक्साइड का अवशोषण करती है।



भिलाई। उद्यानिकी और कृषि कार्य से जुड़े एक्सपर्ट और पर्यावरण प्रेमी विद्या नाड्डू बताती हैं कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में पीपल, नीम, बरगद जैसे पेड़ सबसे ज्यादा लाभकारी हैं। पीपल जहां 100% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है। वहीं नीम 80% कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करता है। बरगद के पेड़ भी 80 प्रतिशत से ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड सोखने क्षमता है। इसके अलावा इमली 80%, कवित 80%, बेल 85%, आंवला 74%, आम 70% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है। इस प्रकार ये कुछ ऐसे पेड़ हैं, जो वायुमंडल को नियंत्रित रखने में सबसे अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए इनके पौधों को रोपने की दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत है। ये सीधे तौर पर वातावरण से कार्बन की मात्रा को कम कर सकते हैं। उन्होंने इस बारे में कई लोगों को इसकी जानकारी भी दी है। वे स्वयं भी इस प्रकार के पौधे रोपने अभियान चला रही हैं। इन पेड़ों को बीच में लगाया जाना बंद कर दिया गया था, लेकिन अब नए सिरे इसे लगाए जाने की शुरुआत की जा रही है।

CO2 अवशोषण और ऑक्सीजन उत्पादन

एक पेड़ एक साल में लगभग 22 किलोग्राम CO2 अवशोषित करता है। दो लोगों के लिए सालभर में पर्याप्त ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। यह वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अपनी गहरी जड़ों के साथ, एक पेड़ मिट्टी को स्थिर करता है और कटाव को रोकता है। जड़ें मिट्टी की संरचना में सुधार करती हैं। मिट्टी की जल धारण क्षमता को बढ़ाती है। इसलिए कार्बन की मात्रा को कम करने और ऑक्सीजन की मात्रा को बढ़ाने में पेड़-पौधे सबसे अहम हैं।

पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका

पेड़ कुछ सौर विकिरण को परावर्तित और अवशोषित करते हैं। पेड़ पर्यावरण को ठंडा करने में मदद करता है। एक अकेले पेड़ में दस एयर कंडीशनर का ठंडा प्रभाव हो सकता है। बादल निर्माण और वर्षा के भी पेड़ जरूरी हैं। वाष्पीकरण के माध्यम से पेड़ बादल निर्माण में योगदान करते हैं। इस प्रकार स्थानीय माइक्रोक्लाइमेट और वर्षा पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। पत्तियाँ सड़ जाती हैं और मिट्टी के लिए भोजन का काम करती हैं। यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ावा देता है।

वायु को स्वच्छ बनाने का भी काम करता है

पेड़ धूल और नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड जैसे प्रदूषकों को अवशोषित करते हैं, जो हवा की गुणवत्ता में काफी सुधार करता है। पेड़ पक्षियों, कीड़ों और कृन्तकों सहित विभिन्न जानवरों के लिए आवास और भोजन प्रदान करते हैं। इस प्रकार जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं। पेड़ एक प्राकृतिक ध्वनि और दृश्य अवरोध के रूप में कार्य कर सकते हैं, जो शहरी क्षेत्रों में विशेष रूप से फायदेमंद हैं। पेड़ों और हरे भरे स्थानों के पास समय बिताने से तनाव कम होता है। मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा मिलता है।

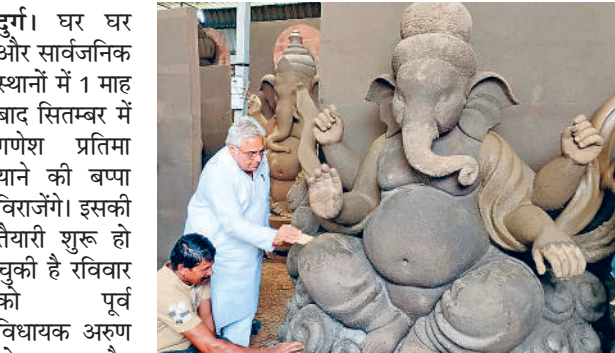


अब तक 5 हजार से ज्यादा पौधे रोप चुकीं नायडू



पर्यावरण प्रेमी विद्या नायडू अब तक 5 हजार से ज्यादा पौधे लगा चुकी हैं। उन्होंने अपने घर को ही नर्सरी बना रखा है। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. विद्या नायडू पिछले करीब 10 साल से सिर्फ पर्यावरण को सहेजने की दिशा में काम कर रही हैं। उन्होंने प्राणी विज्ञान में एमएससी किया। इसके बाद एमएड और आगे चलकर पीएचडी की। वे अक्टूबर 2014 को सेवानिवृत्त हुईं। तब से लगातार दिन में 4 से 6 घंटे वे बागवानी और पौधे रोपने और उन्हें सहेजने की दिशा में काम कर रही हैं। वे लोगों को यह समझाने का प्रयास कर रही हैं कि बरगत, पीपल, नीम जैसे पेड़ हमें ज्यादा लगाने चाहिए। ये पर्यावरण के लिए ज्यादा फायदेमंद हैं। पर ऐसा नहीं है कि हम दूसरे पेड़-पौधे न लगाएं। पर्यावरण के संतुलन में सभी जरूरी हैं।

थनौद में मध्य भारत की सबसे आकर्षक गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रही:वोरा



दुर्ग। घर घर और सार्वजनिक स्थानों में 1 माह बाद सितम्बर में गणेश प्रतिमा याने की बप्पा विराजेंगे। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है रविवार को पूर्व विधायक अरुण वोरा ग्राम थनौद पहुंचे, उन्होंने यहां के शिल्पकारों से मुलाकात की। कलाकारों ने उन्हें बताया कि इस वर्ष भी थनौद के 50 से ज्यादा पंडालों में मूर्तिकार 1000 से ज्यादा प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। मूर्तिकार राधे चक्रधारी ने बताया कि यहां बप्पा की भव्य प्रतिमा दुर्गा-भिलाई के अलावा महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के लिए भी बनाई जा रही है। 4 पोढ़ी से पूरा परिवार इस कार्य में जुटा हुआ है। वोरा ने कहा कि उनके स्तर पर जो बन पड़ेगा, वे इन मूर्तिकारों के लिए हमेशा सहयोग करेंगे। उन्होंने थनौद को शिल्प ग्राम घोषित करने और सरकारी सहयोग प्रदान किए जाने की मांग को भी दोहराया।

साहित्य अकादमी द्वारा साहित्यकार हरिशंकर परसाई को लेकर संगोष्ठी का आयोजन

परसाई स्वाधीन भारत के सजग प्रहरी, व्यंग उनका अचूक हथियार रहा, इसलिए आज भी प्रासंगिक: शर्मा



रांची से आए हिन्दी आलोचक रविभूषण ने कहा कि परसाई की कृतियों से गुजरना उनके समय समाज से गुजरना है। वे स्वाधीन भारत के सजग प्रहरी थे। एक लेखक मानवीय मूल्यों की स्थापना के लिए लिखता है। उनका लेखन भारतीय समाज के कान्तांतरण और रूपान्तरण का लेखन है।

आयोजन में अन्य वक्ताओं ने भी रखे विचार

आयोजन में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के डॉ. आशीष त्रिपाठी ने कहा कि परसाई ने जिस गद्य का इस्तेमाल किया, वह रूप उसके पहले किसी ने नहीं किया था। व्यंग्यकार विनोद साव ने कहा कि परसाई का लेखन जड़ता को तोड़ने की कोशिश है। वे अपने समूचे लेखन में प्रतिपक्ष के नेता हैं। आशुतोष कुमार ने कहा कि हमने व्यंग्य को वह महत्व नहीं दिया जिसका वो हकदार था। प्रेम जनमेजय ने कहा कि परसाई मूलतः लोकतंत्रवादी थे। वे शिल्प की दृष्टि से भी लोकतंत्रवादी थे। प्रख्यात आलोचक डॉ. जयप्रकाश ने कहा कि परसाई हिन्दी के संभवतः पहले ऐसे रचनाकार हैं, जिन्होंने अपने विचार स्तंभों के माध्यम से व्यक्त किये। परसाई के लेखन में मिथकों का जितने बड़े पैमाने पर

प्रयोग हुआ है, उतना दूसरा दिखाई नहीं देता। अम्बिकापुर से आए कथाकार प्रभु नारायण वर्मा ने कहा कि परसाई हमारी व्यवस्था को बार बार नंगा करके उठाते हैं। उस पर कठोर आक्षेप करते हैं। परसाई जी के लेखन की विविधता और कहीं दिखाई नहीं देती।

परसाई का साहित्य सत्ता और समाज के समझने वाला दस्तावेज

दुर्ग के मशहूर कथाकार कैलाश बनवासी ने कहा परसाई का साहित्य आजादी के बाद देश की सत्ता व्यवस्था और समाज को समझने का दस्तावेज है। उनकी कहानी कला में उनकी मौलिकता परसाईपन स्पष्ट रूप से दिखाता है। वे अपनी कहानियों में अलग तरह की दुनिया लेकर आते हैं। परसाई 360 डिग्री के बैट्समैन की तरह थे, उनकी कहानियों में विषय वस्तु 360 डिग्री में दिखाई देती है। जबलपुर से आए साहित्यकार राजेन्द्र दानी ने कहा कि परसाई अपनी परंपरा का जिक्र अपनी कहानियों में करते हैं।



सिटी इवेंट

ग्रामीणों में जगाया साक्षरता का अलख, निकाली रैली



भिलाई। जीडी रंगटा कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शिक्षा विभाग विद्यार्थियों ने उल्लास नवभारत साक्षरता रैली निकाली। रैली के दौरान बीएड छात्रों ने कुरुद गांव पहुंचकर वहां के ग्रामीणों का साक्षरता सर्वे किया। आंकड़े एकत्र किए गए। छात्रों ने ग्रामीणों को बताया गया कि अब अंगूठे के बजाए खुद का नाम लिखने का समय है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. नोमा एस बालन ने रैली की हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। छात्रों ने साक्षरता के प्रति जागरूकता लाने कुरुद गांव में कई कार्यक्रम भी किए। साक्षरता से जुड़े नारे और स्लोगन के माध्यम से रैली निकाली गई। इसमें गांव के बुजुर्गों को भी जोड़ा गया। ग्रामीणों को शिक्षा का महत्व बताते हुए बालिका शिक्षा पर जोर दिया गया। कुरुद शासकीय माध्यमिक शाला में यह रैली समाप्त हुई। इसके बाद बीएड विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूह में विभाजित किया गया। समूह के विद्यार्थी ग्रामीणों के घर तक पहुंचे और असाक्षर लोगों के नाम एकत्रित किए। उन्हें साक्षर बनाने प्रेरित किया। इन असाक्षर लोगों को शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि अब अंगूठे के बजाए खुद का नाम लिखने का समय है। भारत सरकार व राज्य शासन भी इसके लिए बड़ी मुहिम चला रहा है। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की एचओडी रीटा गुप्ता, डॉ. सुष्मा श्रीवास्तव, गीतिका अग्रवाल, वाणी कापसे, डॉ. रंजन पटेल, टुमन पटेल, प्रभा रानी का सहयोग रहा।

धर्म लाइव

महादेव के उद्घोष के साथ मंदिर से आज निकलेगी यात्रा

भिलाई। प्रगतेश्वर शिवमंदिर समिति प्रगति नगर द्वारा सावन के चौथे सोमवार यानी आज शिव भक्तों द्वारा कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर पिछले दिनों प्रगतेश्वर शिवमंदिर समिति द्वारा आयोजन के संबंध में नरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में कांवड़ यात्रा को लेकर रूपरेखा बनाई गई साथ ही सदस्यों को प्रभार दिया गया। समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष सर्वसम्मति से कार्यक्रमों को लेकर विभिन्न योजना बनाई गई है। पिछले वर्ष कांवड़ यात्रा में पहुंचे श्रद्धालुओं की संख्या व उत्साह को देखते हुए इस बार भी व्यापक तैयारी की गई है। संयोजक सुशील सिंह सेंगर व प्रदीप सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा हर हर महादेव के जयघोष के साथ प्रगतेश्वर शिवमंदिर से सुबह सवा पांच बजे पूजा स्नान के बाद शिवनाथ नदी दुर्ग के लिए रवाना होगी। आयोजन के लिए सदस्यों को निर्मेदारी दी गई है। बैठक में मुख्य रूप से समिति संरक्षक भोला प्रसाद, हिन्दू जागरण मंच से व छाया पार्षद आसपूरन चौधरी, आनंद सिंह, अनुपम साहू, रंजन, नगीना सिंह, आशा सिंह, प्रीति, शैल पांडेय, मालती और विनीता श्रीवास्तव सहित अन्य शिव भक्त उपस्थित थे।

समाज इवेंट

प्राचीन मंदिरों का किया भ्रमण जलाभिषेक कर मांगा आशीर्वाद



भिलाई। केशरवानी वैश्य सभा व महिला सभा भिलाई-दुर्ग द्वारा कांवड़ यात्रा व धार्मिक स्थलों की यात्रा का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत महादेव घाट, रायपुर स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर, वीआईपी रोड रायपुर स्थित श्रीराम मंदिर एवं देवबलोदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महादेव का दर्शन किया गया। भिलाई केशरवानी समाज के सभी श्रद्धालुओं को समाज के कोषाध्यक्ष सुनील केशरी द्वारा रुद्राक्ष की माला पहना कर यात्रा प्रारंभ किया गया। इस दौरान सभी सदस्यों ने महादेव घाट रायपुर में खारून नदी के तट पर स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। महिला सभा की उपाध्यक्ष विनती केशरी ने समाज की सभी महिलाओं को सुहाग का सामान भेंट कर सबका आशीर्वाद लिया। रायपुर के प्रसिद्ध राम मंदिर व देवबलोदा चरोदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक व पूजा अर्चना की गई। इस दौरान केशरवानी वैश्य सभा भिलाई-दुर्ग अध्यक्ष रंजन गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता, महिला सभा की अध्यक्ष दीप्ति गुप्ता, महासचिव आरती केशरवानी, उपाध्यक्ष प्रियारानी गुप्ता, विनती केसरी, जयश्री केशरी आदि मौजूद थे।

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में स्काउट गाइड तृतीय सोपान शिविर का आयोजन

अनुशासित जीवन की तैयारी का नाम स्काउट जो दूसरों को जीना सिखाता है: पीबीएस उषा

भिलाई। केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में स्काउट-गाइड तृतीय सोपान शिविर का आयोजन किया गया। केंद्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग स्काउट गाइड की डिजिजल कमिश्नर एवं डिप्टी कमिश्नर ने माता सरस्वती व स्काउट के जनक लॉर्ड रॉबर्ट बेडेन-पावेल के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर शिविर का उद्घाटन किया। स्काउट कलर पार्टी ने मुख्य अतिथियों की अगवानी की। स्काउट के ढाई सौ छात्रों ने मुख्य अतिथियों को परेड के साथ सलामी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दक्का सिंदूर का पौधा रोपित किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने डॉ. श्रावणी सिंह के नेतृत्व में स्वागत गीत एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किया। टीटीएल साहू, डॉ राखी, बिंदु शिवराजन, एसवीएस गायत्री, सतविंदर कौर ने स्काउट गाइड तृतीय सोपान शिविर के प्रशिक्षकों एवं अतिथियों का विद्यालय की ओर से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अजय आर्य ने किया। शिविर में छत्तीसगढ़ के 31 केंद्रीय विद्यालयों से लगभग ढाई सौ छात्र एवं शिक्षकों ने भाग लिया। छात्रों के लिए सुबह 5 बजे उठने से लेकर रात 10 बजे तक उनकी दिनचर्या निश्चित की गई थी जिससे स्काउट अनुशासित जीवन सीख सकें।



हमेशा तैयार रहना सीखाता है स्काउट

डिजिजल कमिश्नर पीबीएस उषा ने कहा कि जीवन का निर्माण किताबी ज्ञान से नहीं होता। जो चुनौतियों को स्वीकार करके संघर्ष करता है वो ही विजेता होता है। स्काउट सीखाता है कि हमेशा तैयार रहो। यह तैयार कैसे और किसके लिए रहना है। इसका सीधा सा जवाब है अब अप्रत्याशित और जिसे आप अनुमान नहीं लगा सकते। ऐसी किसी भी घटना और परिस्थिति के लिए आपको सजग और तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो पशु और पक्षी भी जीते हैं लेकिन प्रकृति के साथ जीना ही जीवन की सच्ची तैयारी है। हम सबको समाज के लिए जीना सीखना है। कार्यक्रम में प्रशिक्षक नरेंद्र देव साहू, हरिश्चंद्र हरिजन, अजय यादव, पीएल साहू, डी ए गिरिया, आर के कटकवार, टी आर चौहान और डॉ. अजय आर्य दक्का प्रशिक्षण दिया गया।



संघर्ष से जीता वहीं विजेता

प्राचार्य उमाशंकर मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्काउट स्वयं को मजबूत बनाने का कोर्स है। घर में अच्छे खाने पीने और सभी सुविधा के साधन उपलब्ध हैं। चुनौती और संघर्ष में विजेता वहीं होता है जो विपरीत परिस्थिति में जीना जानते हैं। स्काउट की मूवमेंट में लगे हुए सभी विद्यार्थी और शिक्षक इस सत्य से परिचित हैं। शिविर संचालक एसके वर्मा ने कहा कि स्काउट हम सबको एक दूसरे के साथ ऐडजस्ट करना सीखाता है। यह कोर्स सामंजस्य का कोर्स है अलग-अलग परिस्थितियों से विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए बच्चे एक साथ रहना व जीना सिखते हैं यहीं इस कोर्स की खासियत है।

सम्मान

विद्यालय के अलंकरण समारोह में छात्र संघ को दिलाई शपथ



भिलाई। श्री शंकरा विद्यालय सेक्टर 10 को अलंकरण समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। शाला में मुख्य कप्तान आव्या वर्मा, ईशान मढ़रिया सहित छात्र संघ के सभी पदाधिकारियों को सम्मानित कर शपथ दिलाई गई। अलंकरण समारोह विद्यालय में छात्र संघ के नवनियुक्त पदाधिकारियों को निर्भरता और आत्मविश्वास का संचालन करता है। इस अवसर पर प्राचार्य बिपिन देशमुख, प्रधान पाठिका शोभा नायर, शीजा जॉन, चरनीत कौर संधु ने मां सरस्वती तथा आदि गुरु श्री श्री श्री चंद्रशेखरन स्वामी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की साथ ही पुष्प गुच्छ देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। शाला के नव-निर्वाचित सदस्यों को पद व शाला की गरिमा को बनाए रखने के लिए प्राचार्य बिपिन देशमुख द्वारा विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। श्री शंकरा विद्यालय सेक्टर 10 में मुख्य कप्तान आव्या वर्मा, ईशान मढ़रिया, सह मुख्य कप्तान अमारा खान, बलराज सिंह संधु, सांस्कृतिक सचिव जानकी नरेश जादव, स्वर्णिम शुक्ला, खेल सचिव रीतिका राय, ज्योतिरादित्य, अनुशासन सचिव अर्शिता सिया, लोहीतांश चंद्राकर तथा सचिव सार्वजनिक वक्ता ईशिता चंद्राकर व विशेष चावड़ा थे। समारोह में निर्वाचित छात्र-छात्राओं को औपचारिक रूप से सैशे पहनाकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य बिपिन देशमुख ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए छात्रों के बीच अनुशासन व नेतृत्व करने की क्षमता सहित अन्य गुणों को सीखने पर बल दिया और निर्वाचित छात्र -छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को बधाई दी। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के सचिव एस स्वामीनाथन, अध्यक्ष वी रामचंद्रन एवं कोषाध्यक्ष टीआर वेंकटरमन ने नव-निर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन व्ही हर्षिता, जोशी मैरी और धन्यवाद ज्ञापन सविता अनिल ने दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बिपिन देशमुख, प्रधान पाठिका चरनीत कौर संधु तथा कक्षा पांचवी के शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं सभी कक्षा के विद्यार्थी उपस्थित थे। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।



कुर्मी क्षत्रिय महिला समाज का आयोजन

सोलह श्रृंगार कर तीज मिलन में आकर्षक प्रस्तुति, बनी तीज क्वीन



भिलाई। सावन के महिने में महिलाओं का प्रिय पर्व तीज की धूम हर जगह मची हुई है। इस दौरान वीकेड में सभी समाजों के महिला समूहों, क्लब सहित अन्य संस्थाओं में तीज मिलन के आयोजन के बहाने महिलाएं रीफ्रेश हो रही हैं। इसी कड़ी में कुर्मी क्षत्रिय समाज व सुप्रयास महिला सेवा समिति राधिका नगर द्वारा तीज मिलन का आयोजन हर्षोल्लास वातावरण में सेलिब्रेट किया गया। कुर्मी क्षत्रिय महिलाओं द्वारा कुर्मी भवन सेक्टर 7 में तीजा-पोरा उत्सव मनाया गया। जिसमें अतिथि पंडवानी गायिका पद्मश्री उषा बारले, समाजसेविका पूजा ललित चंद्राकर एवं उड़ान संस्था की निधि चंद्राकर उपस्थित रही। इस दौरान पद्मश्री उषा बारले ने पंडवानी व पंथी गीत की प्रस्तुति देते हुए परिवार में एक दूसरे के साथ प्रेम व एकता के साथ रहने की बातें कही।

विभिन्न खेलों में महिलाओं ने लिया हिस्सा

इस दौरान सभी महिलाएं हरे व पीले रंग की साड़ियों में सोलह श्रृंगार कर सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। फुगड़ी में प्रथम ऊषा दिल्लीवार, द्वितीय लता देशमुख, तृतीय सरोज चंद्र रही। सोलह श्रृंगार में प्रथम बबिता देशमुख, द्वितीय लता देशमुख, तृतीय सरोज चंद्रा एवं तीज क्वीन केसरी चंद्राकर बनी। कार्यक्रम की अध्यक्षता माया अमृत ने किया एवं संचालन महासचिव डॉ. कविता वर्मा एवं उपाध्यक्ष ज्योति चंद्राकर ने किया। कार्यक्रम की संरक्षिका लता ऋषि चंद्राकर एवं कोषाध्यक्ष अन्नपूर्णा चंद्राकर सहित समाज की महिलाएं उपस्थित थीं।

वार्षिकोत्सव में किया तीज सेलिब्रेट, खेले गेम सुप्रयास महिला सेवा समिति राधिका नगर भिलाई ने अपना 12वां वार्षिकोत्सव के साथ ही तीज मिलन समारोह उत्साह के साथ मनाया। समिति द्वारा वार्षिकोत्सव के अवसर पर राधिका नगर में पौधरोपण किया गया। साथ ही नृत्य, संगीत, कैटवांक, गेम शो सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति सदस्याओं द्वारा दी गई। कार्यक्रम में समिति के सभी सदस्यों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। समिति के पदाधिकारियों ने सभी सदस्यों को समिति के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा की आने वाले वर्षों में भी समिति जनसमस्या एवं महिलाओं के हित में कार्य करती रहेगी।



अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

कवि सम्मेलन में पद्मश्री डॉ. दुबे ने खूब हंसाया, वीर रस के काव्य पाठ से बेटियों व देश की अखंडता बचाने दिया संदेश

कार्नर न्यूज

भिलाई। सावन के महीने को और अधिक सुहावना बनाने भिलाई में भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया था। जिसमें वरिष्ठ से लेकर नए युवा कवियों द्वारा एक से बढ़कर एक काव्य पाठ किया गया। इस दौरान महिलाएं, युवा, व बुजुर्ग भी देर रात तक कवि सम्मेलन का आनंद लिया। कवि सम्मेलन में पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे, सुरेश अवस्थी कानपुर, प्रवीण शुकल नई दिल्ली, योगेन्द्र शर्मा मौलवाड़ा, भुवन मोहिनी इंदौर, गौरी मिश्रा नैनीताल के काव्य पाठ ने मोह तक हजारों काव्य प्रेमी इन ख्यातिलब्ध कवियों को सुनते रहे। सुरेंद्र दुबे, सुरेश अवस्थी, प्रवीण शुकल की हास्य-व्यंग्य रचनाओं ने घंटों जहां लोगों को गुरुदुःखदायी वहीं योगेन्द्र शर्मा के देश भक्ति काव्य से भारत माता की जय से पूरा परिसर गूंजारमान हो गया।



वीर रस की कविताओं ने युवाओं में जोश भरा

अलग-अलग रसों में बंटें काव्य रस की धारा में भुवन मोहिनी और गौरी मिश्रा के गीतों ने खूब तालियां बटोरीं। इस बीच वेशाली नगर विधायक रिकेश सेन को आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। दशक दीर्घा में मौजूद हजारों काव्य प्रेमियों के लिए विधायक रिकेश सेन ने कुछ चुनिंदा शेर भी सुनाए। कल रियासत में भी मोहब्बत थी, अब मोहब्बत में भी सियासत है, मोहब्बत में भेजे गुलाब की खुशबू ने बखेड़ा खड़ा कर दिया...जैसी शायरी के साथ विधायक ने 25 वर्षों की जनसेवा का अनुभव भी सुनाया। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों की भवन के लिए 5 लाख रुपये विधायक निधि से स्वीकृत करने रिकेश सेन की घोषणा का स्वागत समाज के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। घोषणा के बाद भी लगभग 50 से अधिक संगठनों ने सामाजिक भवन के लिए विधायक की ह्वापन सौंपा गया।



व्हील चेयर, हेलमेट, ट्रायसिकल का होगा वितरण

विधायक की सामाजिक अपील पर पहुंचे लोगों द्वारा कंबल, 203 व्हील चेयर, 85 ट्रायसिकल, 7 हियरिंग मशीन, 17 आक्सीमीटर, 8 बैसाखी, 19 वाकिंग छड़ी व 1 हजार से अधिक हेलमेट का वितरण आम जनों को किया जाएगा।

सिटी स्पोर्ट्स

क्रिकेटरों को दी डोपिंग नियमों की जानकारी



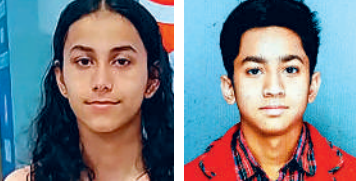
रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सी.एस.सी.एस.) ने विभिन्न श्रेणियों के पुरुष तथा महिला खिलाड़ियों एवं सहायक स्टाफ के लिए एंटी डोपिंग संबंधी नियमों की जानकारी देने सेमीनार आयोजित किया। सेमिनार मे नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) की ओर से डॉ. नेहा सिंह उपस्थित रहों, जिन्होंने सभी खिलाड़ियों को 'नाडा' के एंटी करप्शन नियमों की व्यापक जानकारी प्रदान की। डॉ. नेहा ने सभी खिलाड़ियों एवं संबंधित सहायक स्टाफ को डोपिंग से बचने हेतु आवश्यक उपाय एवं सावधानियों से अवगत कराया, साथ ही ऐसे माध्यम उपलब्ध कराये जहां से खिलाड़ी प्रतिबंधित दवाइयों तथा खाद्य पदार्थों की पुरी जानकारी प्राप्त कर सकते है। सेमीनार में पुरुष तथा महिला वर्ग के विभिन्न श्रेणियों के खिलाड़ियों तथा सहायक स्टाफ सहित लगभग 160 प्रतिभागी सम्मिलित हुये ।

दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के विनोद बने शतरंज के चतुरंग



रायपुर। दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे खेले संघ द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रथम अंतर संस्थागत चेस प्रतियोगिता श्शतरंज के चतुरंगर में दूसरे दिन टीम इवेंट एवं इंडिविजुअल इवेंट के बाकी बचे राउंड खेले गए। व्यक्तिगत इवेंट में प्रथम स्थान दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के विनोद शर्मा ने हासिल किया उन्हें पहले श्शतरंज का चतुरंगर के खिताब से नवाजा गया वहीं द्वितीय स्थान पर ऑडिट ऑफिस के योगेश पाण्डे रहे तीसरे स्थान पर दीपक राजपूत भारतीय महालेखाकार (ऑडिट) ऑफिस के खिलाड़ी ने अपना स्थान सुनिश्चित किया। टीम इवेंट में ऑडिट ऑफिस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसमें योगेश पाण्डेय ने नेतृत्व किया। वहीं दूसरे स्थान पर लक्ष्मी नारायण के नेतृत्व में डब्ल्यूआरएस की टीम रही। तृतीय स्थान पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रही टीम के सदस्य विनोद कुमार शर्मा रवि कुमार पाठक हरिवंश अग्रवाल के मनोज कुमार थे। प्रतियोगिता के समापन समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप में मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार उपस्थित रहे ।उन्होंने प्रतियोगिता में आयें सभी केन्द्रीय विभागों को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और साथ ही इस प्रकार के बड़े आयोजन करते रहने की घोषणा की ! वहीं मंडल के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी राहुल गर्ग ने आगामी प्रतियोगिताओं को और भी बड़ा करने का आश्वासन दिया। विजेताओं को ट्रॉफी,सर्टिफिकेट एंड नकद पुरस्कार दिए गए। मंडल क्रीड़ा सचिव दीपक प्रधान ने मंडल रेल प्रबंधक, सीनियर स्पोर्ट ऑफिसर , प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों , स्पोन्सर अल्ट्राटेक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया , एसबीआई एवं सभी विभागों को धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया। यह दो दिवसीय अंतर संस्थागत चेस प्रतियोगिता केन्द्र सरकार के 80 कार्यालयों के लिए आयोजित की गई थी, जो कि छत्तीसगढ़ मे अपनी तरह का पहला आयोजन था।

शिवांगनी और अमय ने राष्ट्रीय तैराकी स्पर्धा में किया शानदार प्रदर्शन



रायपुर। भुवनेश्वर में आयोजित 50 वीं जूनियर राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता के ग्रुप 1 में अभय प्रकाश साहू ने 200 मीटर बटरफ्लाई में फाइनल क्वालीफाई किया व 6 वें स्थान पर रहे एवं ग्रुप 2 में शिवांगनी पांडे 50 मीटर बटरफ्लाई में फाइनल क्वालीफाई करते हुए चौथे स्थान पर रही। बिलासपुर कॉरपोरेशन तैराकी संघ के सचिव हेमंत सिंह परिहार ने बताया कि दोनों खिलाड़ी छत्तीसगढ़ तैराकी दल में शामिल है और दोनों खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बट्टी प्रसाद गुर्जर, सतीश सिंह ठाकुर, हेमंत सिंह परिहार, संतोष पाल, मनोज कश्यप, विनय सिंह, दिनेश सिंह, बी एस यादव, टी रमेश बाबू आदि ने बधाई दी है।

राज्य स्तरीय सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप आज से जांजगीर में रायपुर। जिला बैडमिंटन संघ जांजगीर चांपा के द्वारा 12 से 16 अगस्त तक राज्य स्तरीय सीनियर चैंपियनशिप का आयोजन टीसीएल इंडोर स्टेडियम जांजगीर में किया गया है।टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ राज्य के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अपनी सहभागिता देंगे। स्पर्धा में पुरुष एकल, डबल्स, महिला एकल, डबल्स और मिक्स डबल्स सहित कुल पांच इवेंट रखे गए हैं।

दुनियाभर में 5 करोड़ से अधिक को मस्तिष्क की खास बीमारी, अभी तक नहीं कोई खास इलाज

उम्र के साथ बढ़ने लगती है याददाश्त की दिक्कतें समय पर ध्यान नहीं देने से हो जाएगा नुकसान

मस्तिष्क और तंत्रिका से संबंधित समस्याएं वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती हुई रिपोर्ट की जा रही हैं। अल्जाइमर-डिमेंशिया जैसी बीमारियां बड़ी संख्या में लोगों को परेशान कर रही हैं। अल्जाइमर रोग के कारण याददाश्त की समस्या होने, बातचीत करने में परेशानी होने लगती है। समय पर अगर इसपर ध्यान न दिया जाए तो गंभीर स्थितियों में ये डिमेंशिया का कारण बन सकती है। मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के कारण स्मृति, भाषा, समस्याओं का समाधान करने और सोचने की क्षमता कम होने जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। एक आंकड़े के अनुसार वैश्विक स्तर पर 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग डिमेंशिया के शिकार हो सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ इस तरह की दिक्कतों का होना सामान्य है, विशेषतौर पर 60 साल की आयु के बाद इसका खतरा और भी बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं ने बताया हमारी दिनचर्या की कई गड़बड़ आदतें इस बीमारी के लिए जिम्मेदार हो सकती हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को जानना और बचाव के लिए कम उम्र से ही प्रयास करते रहना आवश्यक है।

अल्जाइमर और डिमेंशिया का खतरा

अल्जाइमर और डिमेंशिया के बढ़ते जोखिमों को लेकर हाल में किए गए अध्ययनों में पाया गया है कि 55 की उम्र में भी कई लोगों में मस्तिष्क की ये समस्या देखा जा रही है। डिमेंशिया के 40 प्रतिशत मामलों के लिए 12 जोखिम कारकों को प्रमुख माना गया है। इन कारकों में निम्न स्तर की शिक्षा, सुनने की समस्या, हाई ब्लड प्रेशर, धूम्रपान, मोटापा, अवसाद, शारीरिक निष्क्रियता, मधुमेह, अत्यधिक शराब पीना, मस्तिष्क की गंभीर चोट, वायु प्रदूषण और मोटापा आइसोलेशन प्रमुख पाए गए हैं। ऐसी समस्या से परेशान लोगों को मस्तिष्क की इस बीमारी को लेकर और भी अलर्ट रहने की आवश्यकता है।



इन जोखिम कारकों पर भी दें ध्यान

नवीनतम अपडेट में डिमेंशिया के लिए दो और जोखिम कारकों को जोड़ा गया है- दृष्टि हानि और उच्च कोलेस्ट्रॉल। अध्ययन में कहा गया है, इन 14 जोखिम कारकों में अगर सुधार के प्रयास कर लिए जाएं तो दुनियाभर में लगभग आधे डिमेंशिया के मामलों को रोका जा सकता है। चूंकि मस्तिष्क की इस बीमारी का अभी तक कोई विशिष्ट उपचार नहीं है इसलिए कम उम्र से ही बचाव के तरीकों को प्रयोग में लाते रहना बहुत जरूरी है।

सावन पर ऐसे तैयार करें फलाहारी आलू का पराठा

ज्यादातर लोग श्रावण मास में सोमवार के व्रत में फलाहारी खाने का सेवन करते हैं। ऐसे में आपको फलाहारी पकवानों के जानना चाहिए। अगर आप सावन के सोमवार के तीसरे दिन व्रत में कुछ अलग बनाने का सोच रही हैं तो फलाहारी आलू का पराठा एक बेहतर विकल्प है। फलाहारी आलू का पराठा बनाने के लिए आपको सबसे पहले साबूदाना को अच्छी तरह से धोकर 5- 6 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रखना है। जब ये फूल कर नर्म हो जाए तो इसे पानी से निकालकर सुखा लें। इसका सारा पानी निकालकर साबूदाना में उबले हुए आलू डालें और इसे अच्छी तरह से मेश करें। आलू और साबूदाना का डो तैयार करने के लिए इसमें थोड़ा सा कुट्टु का आटा डाल

सकते हैं। इससे इसे बेलने में आसानी रहेगी। अब इसे सही से मिक्स करने के बाद इसमें कटी हुई हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालें। इन सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। अब आपका ये डो या पराटे का आटा बनकर तैयार है। आखिर में इसकी छोटी-छोटी लोई बनाएं और फिर इसे बेलन की सहायता से गोल-गोल बेल लें। अगर ये बेलने पर चिपक रहा है तो आप इस पर थोड़ा सा कुट्टु का आटा छिड़क लें। अब पराटे को तवे पर रखें और दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेक लें। इसे आप सिर्फ फलाहारी चटनी और दही के साथ भी परोस सकते हैं।



कार्नर न्यूज

साथी की पसंद को अपनाएं और अपनी जीवनशैली में उनके अनुरूप बदलाव करें

जीवनसाथी से पसंद-नापसंद न मिले तो ऐसे निभाएं रिश्ता



संवाद करें पहले तो, आपको अपने जीवनसाथी के साथ बातचीत करनी चाहिए। खुलकर बात करने से समस्या के कारण का पता चलता है, साथ ही दोनों को एक दूसरे को अच्छे से समझने का मौका मिलता है। जीवनसाथी की पसंद और नापसंद को समझकर रिश्ते को निभाने में आसानी हो सकती है। समझें और समझाएं: अपने जीवनसाथी के दृष्टिकोण और आपके दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करें। क्योंकि कभी-कभी, यह दोनों के बीच होने वाली समस्याओं का कारण हो सकता है। ये जानने का प्रयास करें कि जीवनसाथी आपसे क्या

उम्मीद रखता है या आपकी क्या आशाएं पार्टनर से हैं, ये भी उन्हें बताएं। समाधान की तलाश करें: हर समस्या को खत्म करने के लिए उसका कोई न कोई समाधान होता है, जिसे आपको तलाशना होगा। आप दोनों के बीच आपसी तालमेल बिठाने के लिए समस्या का समाधान तलाशें। अगर आप

दोनों के विचारों और मूल्यों के असहमति है तो समाधान ढूँढने के लिए समझौता करने का प्रयास करें। सहानुभूति और सहयोग: एक दूसरे के साथ सहानुभूति रखें और सहयोग का प्रयास करें। एक दूसरे की मदद करें, अगर आपको जीवनसाथी की कोई बात या विचार पसंद नहीं तो उन्हें संयम और शांति से ये बात बताएं, लेकिन उनके विचारों पर अपनी पसंद को थोपने का प्रयास न करें।



कुर्सी पर बैठकर करें योगासन शरीर दर्द और मोटापा होगा कम

रोजाना दफ्तर में घंटों डेस्क पर एक ही मुद्रा में बैठकर काम करने वाले लोगों को कई तरह की समस्या हो सकती है। अधिकतर दफ्तर का कार्य लगभग 9 से 10 घंटे का होता है, जिसके कारण कर्मचारी के मन और शरीर दोनों पर ही प्रभाव पड़ सकता है। दिनभर बैठे बैठे काम करने से सिरदर्द, थकान और स्ट्रेस की समस्या होना सामान्य है। वहीं कई लोगों को कमर और पीठ में दर्द की शिकायत होने लगती है। इसके अलावा चर्बी भी बढ़ने लगती है। बिना शारीरिक सक्रियता के कुर्सी पर बैठकर काम करने से मोटापा बढ़ता है और पेट निकलने लगता है। हालांकि विशेषज्ञ लगातार बैठे बैठे दफ्तर का काम करने के कारण होने वाली समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए योग के अभ्यास की सलाह देते हैं। योग शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट रखता है। व्यस्त जीवनशैली में अगर आपके पास योगाभ्यास समय नहीं रहता तो दफ्तर में ही कुछ योगासनों का अभ्यास किया जा सकता है। ऑफिस में कुर्सी पर बैठे बैठे योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं। आइए जानते हैं दफ्तर में आसानी से कुर्सी पर बैठकर किए जाने वाले योगाभ्यास।

दफ्तर में करें स्ट्रेचिंग



ऑफिस में बैठकर आप आसानी से स्ट्रेचिंग करके दिनभर की थकान और शरीर में होने वाले दर्द से राहत पा सकते हैं। स्ट्रेचिंग ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करता है और मांसपेशियों में हो रहे दर्द से छुटकारा मिलता है। स्ट्रेचिंग से शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कम करने में फायदा मिलता है।

स्ट्रेचिंग करने का तरीका

दफ्तर में बैठकर स्ट्रेचिंग करने के लिए सबसे पहले अपनी बाहों को ऊपर उठाएं और दोनों हाथों को सिर के ऊपर लाएं। अब दोनों हाथों को सिर के ऊपर क्रॉस करके शरीर को कमर के ऊपर की ओर खींचें और हाथों पर जोर दें। सांस को अंदर खींचते हुए हाथों और शरीर के ऊपर भाग को स्ट्रेच करें। तीन से चार बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

चेयर पोज

तनाव, सिरदर्द, कमर दर्द और बदन दर्द से छुटकारा पाने के लिए दफ्तर में चेयर पोज का अभ्यास कर सकते हैं। इसके अभ्यास से कमर, रीढ़ की हड्डियों और पैरों को मजबूती मिलती है। छाती, पीठ के निचले हिस्से को फायदा मिलता है। इस आसन को मार्जरी-बितिलासन भी कहते हैं।

चेयर पोज करने का तरीका

इस आसन को करने के लिए चेयर पर बैठकर रीढ़ की हड्डी को सीधा करें और दोनों दोनों पैरों को फर्श पर रखें। दोनों हथेलियों को पैरों के घुटनों पर रखकर लंबी सांस को भीतर की ओर खींचते हुए सीने को बाहर की ओर निकालें। कंधे को पीछे की ओर ले जाएं और धीरे धीरे सांस छोड़ें। रीढ़ की हड्डी को पीठ की तरह ले जाकर मोड़ें। इस आसन को कम से कम पांच बार दोहराएं।



फ़िल्म इवेंट

हॉलीवुड

ग्रैमी नामांकित रैपर ट्रैविस स्कॉट को मिली रिहाई, पेरिस में हुई थी गिरफ्तारी

ग्रैमी पुरस्कार नामांकित रैपर और गायक ट्रैविस स्कॉट शुरुवार को एक दफा फिर मुसीबत में फंसे। पेरिस के लक्जरी जॉर्जेस वी होटल में एक सुरक्षाकर्मि के



साथ नोकझोंक के कारण रैपर को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, अब उन्हें रिहाई मिल चुकी है। इस बात की जानकारी फ्रांसीसी अभियोक्ता कार्यालय की ओर से दी गई है। फ्रांसीसी अभियोजकों ने कहा कि ट्रैविस स्कॉट को बिना किसी आरोप के फ्रांसीसी पुलिस हिरासत से रिहा कर दिया गया। पेरिस अभियोजक के कार्यालय की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया, 'ट्रैविस स्कॉट के लिए पुलिस हिरासत आदेश हटा दिया गया है और उनके खिलाफ सभी कार्यवाही समाप्त कर दी गई है क्योंकि घटना छोटी थी।' पेरिस अभियोजक के कार्यालय के एक बयान के अनुसार, ट्रैविस स्कॉट को शुरुवार तड़के को जॉर्जेस वी होटल से गिरफ्तार किया गया था। होटल में रैपर और एक सुरक्षा गार्ड के बीच झगड़े को रोकने के लिए पुलिस बुलाई गई थी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। घटना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रैपर बहुत ज्यादा नशे में थे और जोश-जोश में उन्होंने श्वास परीक्षण कराने से इनकार कर दिया। रैपर ओलंपिक के लिए पेरिस में थे। उन्होंने गुरुवार रात को पुरुषों के बास्केटबॉल सेमीफाइनल में सर्बिया पर संयुक्त राज्य अमेरिका की रैली देखी। जानकारी हो कि ट्रैविस स्कॉट का असली नाम जैक्स बर्मन वेबस्टर II है। स्कॉट हिप हॉप के सबसे बड़े सितारों में से एक। उनके 100 से अधिक गानों ने बिलबोर्ड हॉट 100 में जगह बनाई। ट्रैविस स्कॉट को 'सिको मोड', 'हाईएस्ट इन द रूम' और 'फ्रैंचाइज' गाने के लिए जाना जाता है।

टॉलीवुड

'मिस्टर बच्चन' के निर्माता ने कहा दर्शकों को मिलेगा भरपूर मनोरंजन

साउथ के जाने-माने अभिनेता रवि तेजा की आगामी फिल्म मिस्टर बच्चन इन दिनों काफी चर्चा में हैं। ये इस साल की सबसे बड़ी तेलुगु फिल्मों में से एक हैं,



जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस बीच इस फिल्म के निर्माता टीजी विश्वप्रसाद ने फिल्म को लेकर एक बड़ी बात कही है। टीजी विश्वप्रसाद साउथ के प्रमुख निर्माताओं में से एक हैं। इस वक्त वह एक दर्जन से अधिक बड़े बजट वाले प्रोजेक्ट्स से जुड़े हुए हैं, जो रिलीज के लिए तैयार हैं। इस मशहूर निर्माता की आगामी फिल्म मिस्टर बच्चन, 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का प्रीमियर तेलुगु के दो राज्य और विदेशों में किया जाएगा। इस बीच मीडिया से बात करते हुए टीजी विश्वप्रसाद ने इस फिल्म की रवि तेजा की पिछली फिल्म 'धमाका' से तुलना करते हुए इसे धमाका प्लस बताया है। मशहूर निर्माता ने कहा कि मिस्टर बच्चन धमाका प्लस की तरह है, जिसमें मनोरंजन, मास और एक्शन जैसे सभी कर्मशियल तत्वों का बेहतरीन मिश्रण है। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि उनकी प्रोडक्शन कंपनी पीपल मीडिया फैक्ट्री अभिनेता रवि तेजा के साथ फिल्में बनाती रहेगी। गौरतलब है कि फैंस रवि तेजा को मास महाराजा की उपाधि देते हैं, जिसका साफ मतलब है कि उनकी फिल्मों को मास ऑडियंस द्वारा खूब पसंद किया जाता है। टीजी विश्वप्रसाद की रवि तेजा अभिनीत मिस्टर बच्चन और पुरी जगन्नाथ की राम पोथिनेनी अभिनीत डबल आईस्मार्ट के बीच बॉक्स ऑफिस पर टकराव देखने को मिलने वाला है।

भोजपुरी

मोनालिसा से नहीं हुआ 'तौबा तौबा' पर डांस, मगर 'स्त्री 2' में अपनी अदाओं से कर दिया धायल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालीसा ने इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने रियलिटी शोज भी किए हैं और सोशल मीडिया पर भी खासा एक्टिव रहती हैं। वह ट्रेंडिंग गानों पर भी रील्स बनाती हैं। पति विक्रान्त के साथ लंबे-लंबे सफर पर भी जाती हैं। उन्होंने 'स्त्री 2' और 'गुड न्यूज' के गानों पर परफॉर्म किया है, जिसको देखने के बाद कुछ उनकी तारीफ कर रहे हैं और कुछ कह रहे हैं कि 'रहने दो तुमसे न हो पायाग।' मोनालीसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है। वह एक बंगाली हिंदू फैमिली से ताल्लुक रखती हैं। उनका जन्म 21 नवंबर 1982 को हुआ था। इन्होंने साउथ कोलकाता के स्कूल से पढ़ाई की है। कोलकाता यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया है। संस्कृत में BA किया है। इसके बाद इन्होंने मॉडलिंग शुरू की और टीवी की दुनिया में काम किया। इसके अलावा उडिया वीडियो एल्बम्स में भी फीचर हुईं। मोनालीसा ने 'बिग बॉस 10' भी किया है। इसमें इन्होंने विक्रान्त से शादी की थी। वह एक कमाल की अदाकारा तो हैं ही। शानदार डांस भी करती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने विक्की कौशल के हुक स्टेप फॉलो करने का प्रयास किया और वह असफल रही। मोनालीसा ने 'तौबा तौबा' पर रील बनाई और वह नहीं कर सकीं। फैशन में लिखा, 'बहुत कठिन है दोस्तों।



चक्करघिन्नी सा फैशन



21वीं सदी की शुरुआत से कैटवॉक का पारंपरिक फ़ॉर्मूला बहुत ज्यादा नहीं बदला है, जिसमें रनवे पर कपड़ों को खास रोशनी से रोशन किया जाता है और एक निश्चित क्रम होता है जिसमें हर मॉडल रनवे पर चलता है। ऐसे में अब मॉडल अगर रनवे पर झूला झूलें तो अजीब सा लग सकता है लेकिन पेरिस फैशन वीक नए-नए प्रयोग के लिए जाना जाता है। यहां इस तरह झूलते हुए मॉडल को देखना दर्शकों के लिए अनूठा अनुभव था। सभी ने इस प्रयोग का दिल खोलकर स्वागत किया।

चेहरे पर बढ़ते मुंहासों से हैं परेशान तो इस्तेमाल करें ये तेल

गर्मी के मौसम में लोगों के साथ कई तरह की परेशानियां सामने आने लगती हैं। इस मौसम में धूप से तो लोग परेशान रहते ही हैं, बल्कि इसके साथ ही तेज लपट और धूल भरी आंधी लोगों को घरों में रहने को मजबूर करती है। इस तेज धूल-धूप में कोई अपने घर से बाहर निकलता है, तो उसकी त्वचा पर कई तरह परेशानियां बढ़ने लगती हैं। अगर इस मौसम में त्वचा का ध्यान न रखा जाए तो चेहरे पर पिंपल्स यानी कि मुंहासे होने लगते हैं। इनका सही समय पर इलाज करना काफी जरूरी हो जाता है। सही इलाज न मिलने पर ये बढ़ते जाते हैं और फिर जाते वक्त त्वचा पर अपने निशान छोड़ जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने चेहरे के पिंपल्स से परेशान हैं, तो एक ऐसे जादुई तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो मुंहासों के लिए रामबाण है। हम बात कर रहे हैं नीम के तेल की, जो मुंहासों की समस्या को दूर करने में काफी लाभदायक है।

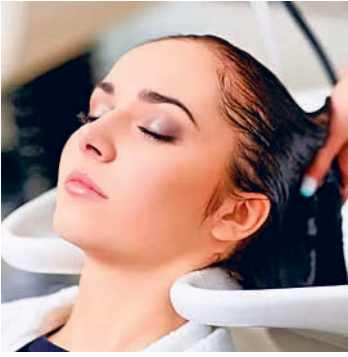


क्या है इसके इस्तेमाल का तरीका

अगर आप अपनी त्वचा पर नीम का तेल इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो सबसे पहले चेहरे को सही से धो लें। इसके बाद एक कटोरी में दो चम्मच नीम का तेल निकाल लें। अब एक कॉटन बॉल लेकर उसे नीम के तेल में डुबोएं। इस कॉटन

शैंपू से धोने के बाद भी बालों से आती है बदबू तो करें इन चीजों का इस्तेमाल

बारिश का मौसम वैसे तो काफी खुशनुमा होता है लेकिन ये अपने साथ तमाम तरह की परेशानियां लेकर आता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी कई परेशानियां दिखाई देने लगती हैं। त्वचा पर मुंहासे तो जैसे बेहद ही आम बात है। त्वचा के साथ-साथ इस मौसम में बालों से जुड़ी समस्याओं से भी लोग काफी परेशान रहते हैं। इस मौसम में बाल तो इतने झड़ते हैं कि आपको इनकी सही से देखभाल तक करनी पड़ी सकती है। इसके अलावा एक ऐसी समस्या भी है, जिसकी वजह से आप शर्मिंदगी का शिकार भी हो सकते हैं। ये है बालों से बदबू आने की समस्या। कई बार ऐसा होता है कि हम शैंपू से बाल धो तो लेते हैं लेकिन उसके बाद भी लगातार इनके बदबू आती ही रहती है। ऐसे में आपको बालों पर ध्यान देने की जरूरत है। कुछ घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके आप इस परेशानी से राहत पा सकते हैं। **नींबू का रस:** अगर शैंपू से धोने के बावजूद आपके बालों में बदबू आती रहती है तो इस समस्या को दूर अवश्य करें। इसका पहला तरीका है कि आप 2-3 नींबू के रस को



एक मग पानी में मिलाएं और बाल धोने के बाद इस मिश्रण से बालों को धो लें। नींबू में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं जो बालों की बदबू को दूर करने में मदद करते हैं। **टी ट्री ऑयल:** अगर आपके पास टी ट्री ऑयल मौजूद है तो अपने शैंपू में तो से तीन बूंदों को मिलाएं। अब इस शैंपू से बालों को धो लें। टी ट्री ऑयल में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो सिर की त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके साथ ही ये बालों की बदबू को भी कम करने में मदद करता है।

कार्नर न्यूज

इस खास दिन के लिए खुद को करें बेहतर प्लानिंग के साथ तैयार

आजादी का जश्न मनाने अपने कपड़ों से लेकर मेकअप तक में दिखाएं देशभक्ति



द्राई कलर सूट

स्वतंत्रता दिवस के दिन अगर अपना खूबसूरत अंदाज दिखाना चाहती हैं तो कपड़े पहनते वक्त कुछ बातों का ध्यान रख। आप चाहें तो इस तरह का सूट पहन सकती हैं। अगर ये नहीं पहनना चाहती तो तिरंगा के रंगों वाले सूट का चयन करें। इसके अलावा आप साधारण सफेद रंग का सूट भी पहन सकती हैं।

द्राई कलर मेकअप

अपने स्वतंत्रता दिवस के लुक को पूरा करने के लिए इस तरह का मेकअप जरूर करें। ऐसा द्राई कलर मेकअप आपकी खूबसूरती में न सिर्फ चार चांद लगाएगा, बल्कि ये आपके लुक को अलग दिखाने में भी मदद करेगा।

अनारकली से लेकर अंगरखा डिजाइन में मिल जाएंगे कलीदार सलवार-सूट डिजाइंस



सलवार-सूट को स्टाइलिश लुक देने के लिए लेटेस्ट फैशन के हिसाब से डिजाइन और पैटर्न को चुनना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आप सेलेब्रिटी लुक को री-क्रिएट करें।

सलवार-सूट पहनना हम सभी को पसंद होता है। इसके लिए हम आए दिन नए से नए फैशन फैशन लुक को ट्राई करना पसंद करते हैं। आजकल कमफर्टेबल रहने के लिए हम पार्टी वियर के लिए भी सूट पहनना पसंद करते हैं।

फैंसी में कलीदार सलवार-सूट को पहनना काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। तो आइये देखते हैं कलीदार डिजाइन के स्टाइलिश सलवार-सूट के लेटेस्ट डिजाइंस। साथ ही, बताएं इन सलवार-सूट को स्टाइल करने के आसान टिप्स-

अंगरखा स्टाइल कलीदार सूट

डोरी डिजाइन वाले सूट पहनना पसंद करती हैं तो इस तरह के स्टाइलिश अंगरखा नेकलाइन कलीदार सूट आपके लुक को फैंसी बनाने का काम कर सकते हैं। इसमें आपको कई तरह के कलर कॉम्बिनेशन देखने को मिल जाएंगे। प्लेन सूट के साथ में हैवी दुपट्टे को स्टाइल करें। लेस वर्क इसमें सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है।

शॉर्ट स्टाइल कलीदार सूट

अगर आप लॉन्ग या फ्लोर लेंथ सूट नहीं पहनना चाहती हैं तो इस तरह के शॉर्ट कलीदार कुर्ती में आपको अंगरखा, प्लेन, पेप्लम जैसे कई डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इसके साथ आप शरारा को स्टाइल कर सकते हैं। देखने में इस तरह का लुक बेस्ट नजर आएगा। आप चाहे तो स्कर्ट के साथ भी सूट लुक को स्टाइल कर सकती हैं।

अनारकली स्टाइल कलीदार सूट

फ्लोर लेंथ और फैंसी डिजाइनर सूट पहनना चाहती हैं तो इस तरह अनारकली स्टाइल प्लेन सूट को पहन सकती हैं। देखने में इस तरह का सूट लुक क्लासी और एलिगेंट नजर आएगा। इस तरह का सूट आप फैब्रिक खरीदकर खुद करस्टमाइज भी करवा सकती हैं। हैवी वर्क वाले दुपट्टे को प्लेन लॉन्ग सूट के साथ में स्टाइल करें।



स्किन टाइप के अनुसार घर पर ही बनाएं नाइट क्रीम

स्किन की बेहतर केयर करने के लिए नाइट क्रीम का इस्तेमाल करना जरूरी है। हालांकि, जब आप इसे घर पर ही बना रही हैं तो आपको आपकी स्किन टाइप का खासतौर से ख्याल रखना चाहिए। अमूमन यह देखने में आता है कि लोग सुबह उठकर नहा-धोने के बाद अपनी स्किन की केयर करने के लिए क्रीम का इस्तेमाल करते हैं। जबकि रात में भी आपकी स्किन को उतनी ही केयर की जरूरत होती है। रात के समय में आपकी स्किन रिपेयर होती है, इसलिए जब आप रात को सोने से पहले नाइट क्रीम का इस्तेमाल करती हैं तो आपको कम समय में अधिक बेहतर रिजल्ट देखने को मिलते हैं। इससे आपकी स्किन हाइड्रेट रहती है और अधिक स्मूथ, सॉफ्ट व हेल्दी नजर आती है।

यूं तो आपको मार्केट में कई ब्रांड्स की अलग-अलग नाइट क्रीम मिल जाएंगी, लेकिन अगर आप चाहें तो इसे खुद घर पर भी बना सकती हैं। होममेड नाइट क्रीम पॉकेट फ्रेंडली होती है, लेकिन यह आपकी स्किन पर भी बेस्ट रिजल्ट दे, इसलिए आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखने की जरूरत होती है। मसलन, आप हमेशा अपनी स्किन टाइप को ध्यान में रखकर नाइट क्रीम बनाएं, जिससे आपकी स्किन से जुड़ी समस्या आसानी से दूर हो सके। तो चलिए आज



इस लेख में हम आपको आपकी स्किन टाइप के अनुसार नाइट क्रीम बनाने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

रूखी त्वचा के लिए नाइट क्रीम: रूखी स्किन के लिए नाइट क्रीम बनाते समय आपको ऐसे इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जो आपकी स्किन को गहराई से नमी व पोषण प्रदान करें। ऐसे में आप शिया बटर, नारियल तेल, बादाम तेल और लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की मदद से नाइट क्रीम तैयार कर सकते हैं। शिया बटर और नारियल तेल को सबसे पहले डबल बॉयलर में पिघलाएं। एक बार पिघलने के बाद आप इसे आंच से उतारें और बादाम तेल और लैवेंडर एसेंशियल ऑयल डालकर मिलाएं।

तिरंगा नेलपैट

अगर आपके पास वक्त है तो आप इस तरह की नेल आर्ट भी अपने नाखूनों पर करवा सकती हैं। ऐसी नेल आर्ट कराने के लिए आपको थोड़ी मेहनत अवश्य लगेगी, लेकिन ये आपके नाखूनों की खूबसूरती को बढ़ा देगी।

तिरंगा हेयर एक्सेसीरिज

इस तरह का हेयर बैंड आपको आसानी से बाजार में मिल जाएंगे। आप चाहें तो इसे घर पर भी बनाकर तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको तिरंगे के रंगों वाले कपड़े या फिर मोतियों की जरूरत पड़ेगी।

द्राई कलर चूड़ियां

तिरंगा सूट के साथ हाथों में द्राई कलर की चूड़ियां अवश्य पहनें। ऐसी चूड़ियां आप साधारण से सफेद रंग के सूट के साथ भी पहन सकती हैं। अगर आपके पास कांच की चूड़ियां नहीं हैं तो आप ऐसी धागे के वर्क वाली चूड़ियों को भी पहन सकती हैं।

तिरंगा इयररिंग्स

इस तरह के इयररिंग्स देखने में काफी खूबसूरत लगते हैं। ये आपको बेहद कम दामों में बाजार में मिल जाएंगे। ऐसे में आप इसे खरीदकर अपने कलेक्शन में शामिल कर सकती हैं। मले ही आप तिरंगा सूट न पहनें लेकिन आप इस तरह के इयररिंग्स पहनकर अपना अलग अंदाज दिखा सकती हैं।